चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-12-23	2	3-4

युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश

भास्कर न्यूज | हिसार

भास्त देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बना पाएंगे, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये विचार प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। समाजसेवी मुख्य वक्ता

सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीय मंत्र भी बताया।

वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ़ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से युवाओं के कौशल विकास में वृद्धि करने, आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार की छोटी-छोटी इकाईयां स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू की गई योजनाओं का भी जिक्र किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15-12-23	4	3-5

युवा रोजगार तलाशने की जगह उद्यमिता की तरफ बढ़ें : सतीश

जागरण संवाददाता, हिसार : भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता, नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

हकृवि में आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार संबोधन देते हुए। • पीआरओ

युवा सफल उद्यमी की जीवनी को पढ़ें

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आजतक सफल उद्यमी जैसे एलन मस्क, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जार्ब, रितेश अग्रवाल, जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है केवल मन में दृढ संकल्प होना चाहिए। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया।

गोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थीगण। • पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-12-23	4	1-5

आयोजन

नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने दिया भाषण

युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने के बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये बात समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कही।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने की। विवि के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

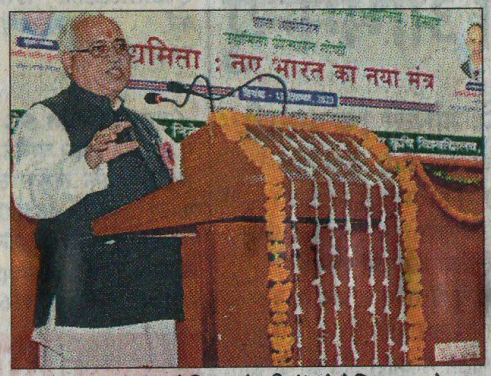

एचएयू में आयोजित गोष्ठी में संबोधित करते मुख्यवक्ता अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार। संवाद

हिसार में एचएयू में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थी। संवाद

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया। उन्होंने कहा कि पहला युवाओं को अपने अंदर कुछ न कुछ सीखने का संकल्प धारण करना होगा ताकि वे जल्दी से जल्दी रोजगार प्राप्त कर सकें।

दूसरा युवाओं को रोजगार को तलाश करने के बजाय छोटी-छोटी स्वरोजगार इकाइयां स्थापित करने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। तीसरा नौजवानों को नई व बड़ी सोच एवं कुछ लीक से हटकर सोचने की मानसिकता को धारण करना चाहिए। चौथा युवाओं को साकारात्मक सोच के साथ मेहनत, ईमानदारी, नवाचारों को अपनाने एवं जोखिम लेने जैसे गुणों को धारण करना चाहिए। पांचवां युवाओं को राष्ट्र को प्राथमिकता देने एवं स्वदेशी सामग्री को अपनाना चाहिए।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आज तक सफल उद्यमी की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए। ताकि उन्हें पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पड़ती है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवॉर्डी डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, डॉ. चंद्रशेखर डागर, स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15-12-23	2	2-6

युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते है सफल उद्यमी : सतीश कुमार

हिसार, 14 दिसम्बर (ब्यूरो): देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा।

गोष्ठी में संबोधन देते मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार।

ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता: नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है, केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	15-12-23	11	1-5

नए भारत का नया मंत्र विषय पर उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी आयोजित

रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ें युवा : सतीश

■ बेरोजगार युवा एचएयू से जुड़कर बन सकते सफल उद्यमी : बीआर कम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। यह बात प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कही। वे बृहस्पतिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है, दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा सकता है और तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा।

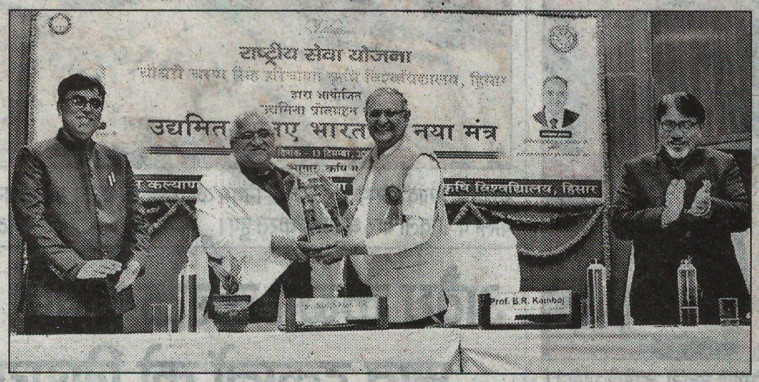

हिसार। मुख्य वक्ता एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

100 से ज्यादा ले चुके प्रशिक्षण

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) है, जिसके माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया।

उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाएं

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आज तक सफल उद्यमी जैसे एलन मस्क, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जार्ब, रितेश अग्रवाल, जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए ताकि उन्हें पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पड़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15-12-23	5	1-5

युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : मुख्य वक्ता

बेरोज़गार युवा हकृवि से जुड़कर बन सकते हैं सफल उद्यमी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 14 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यत: तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है। दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया। उन्होंने कहा कि पहला युवाओं को अपने अंदर कुछ न कुछ सीखने का संकल्प धारण करना होगा ताकि वे जल्दी से जल्दी रोजगार प्राप्त कर सकें। दूसरा युवाओं को रोजगार को तलाश करने की बजाय छोटी-छोटी स्वरोजगार इकाईयां स्थापित करने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। तीसरा नौजवानों को नई व बड़ी सोच एवं कुछ लीक से हटकर सोचने की मानसिकता को धारण करना चाहिए। चौथा युवाओं को साकारात्मक सोच के साथ मेहनत, ईमानदारी, नवाचारों को अपनाने एवं जोखिम लेने जैसे गुणों को धारण करना चाहिए। पांचवां युवाओं को राष्ट्र को प्राथमिता देने एवं स्वदेशी सामग्री को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) है, जिसके माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, डॉ. चंद्रशेखर डागर, स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज गोष्ठी में उपस्थित मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	14.12.2023	--	--

युवा दृढ़ संकल्प कर कौशल को बढ़ाकर बन सकते हैं सफल उद्यमी : सतीश कुमार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे।

मुख्य वक्ता ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन में ही मिलता है। दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उद्यमी बनने के लिए न पैसे, न तकनीक, न पारिवारिक आधार की जरूरत पड़ती है केवल मन में दृढ़ संकल्प होना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से युवाओं के कौशल विकास में वृद्धि करने, आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार की छोटी-छोटी इकाईयां स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू की गई योजनाओं का भी जिक्र किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	14.12.2023	--	--

युवाओं दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते है सफल उद्यमी : सतीश कुमार

हिसार (चिराग टाइम्स)

भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता - नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त सहयोग से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यत: तीन प्रकार की धारणाएं रखते हैं। इनमें पहली धारणा यह है कि रोजगार केवल सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन से ही मिलता है। दूसरा उच्च डिग्री, प्रमाण-पत्र एवं डीएमसी प्राप्त करके ही रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। तीसरा रोजगार केवल सरकार ही उपलब्ध करवाती है। युवाओं को इन गलत धारणाओं से बाहर निकलकर उद्यमिता का गुण अपनाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए 5 सूत्रीयमंत्र भी बताया। पांचवां युवाओं को राष्ट्र को प्राथमिता देने एवं स्वदेशी सामग्री को अपनाना चाहिए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को उद्यमिता की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को सफल उद्यमी बनना है तो सर्वप्रथम आज तक सफल उद्यमी जैसे एलन मस्क, बिल गेट्स, वारेन बुफे, स्टीव जार्ब, रितेश अग्रवाल, जमशेदजी टाटा व बाबा रामदेव की जीवनी को गहनता से पढ़ना चाहिए ताकि उन्हें पता चले कि उद्यमी बनने के लिए किन गुणों और किन मूल्यों को अपनाने की जरूरत पड़ती है। जिसके माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एथिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. भगत सिंह ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, डॉ. चंद्रशेखर डागर, स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	14.12.2023	--	--

युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते है सफल उद्यमी : सतीश कुमार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। मैं जानता हूं कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोश डिजिटल रिपॉजिटरी, सीईआरए के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआईपी के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिमोट डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी. शर्मा ने पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल्स भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.12.2023	--	--

हकृवि में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी का आयोजन

युवा अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते है सफल उद्यमी : सतीश कुमार

पांच बजे न्यूज

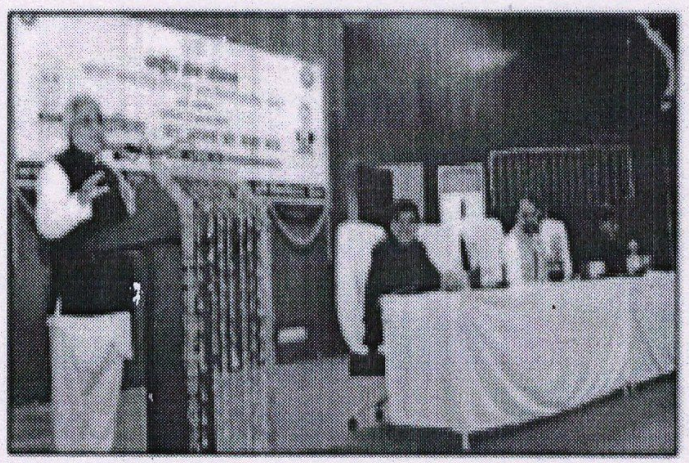

हिसार। भारत देश के युवाओं को रोजगार तलाशने की बजाय उद्यमिता की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए हमारे युवाओं को मन में दृढ़ संकल्प कर अपने कौशल, सोच व तकनीक को बढ़ाने की जरूरत है। तभी हमारे देश का युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद को स्वावलंबी बनाएगा, जिससे 2047 तक हमारा देश निश्चित तौर पर विकसित देशों में शुमार हो जाएगा। ये वक्तव्य प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सतीश कुमार ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में उद्यमिता : नए भारत का नया मंत्र विषय पर आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में इस गोष्ठी का आयोजन किया गया।

समाजसेवी मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने उपस्थित विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए उद्यमिता का गुण अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आज के युवा रोजगार प्राप्त करने के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की धारणा रखते हैं। [illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	14.12.2023	--	--

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यूज

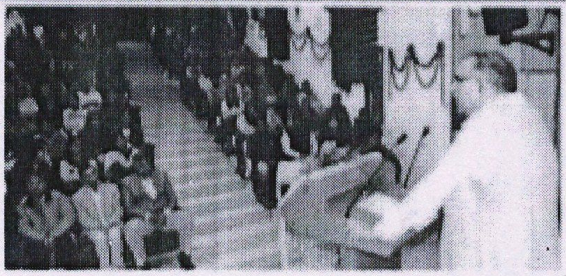

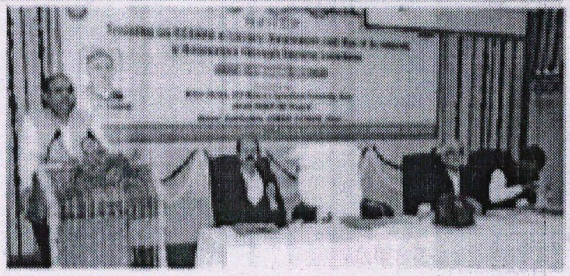

हिसार, 14 दिसम्बर : ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध है। मैं जानता हूं कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोश डिजिटल रिपॉजिटरी, सीईआरए के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआरएम के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिमोट डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी.शर्मा ने सभी का स्वागत किया और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज है और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य स्रोतों का पुस्तकालय उपयोगकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव पटेरिया ने धन्यवाद किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. सीमा परमार ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फोटो कैप्शन : 1 से 3 नंबर तक हकृवि में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर आयोजित प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	14.12.2023	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, गुरुवार, 14 दिसम्बर, 2023

युवाओं दृढ़ संकल्प के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर बन सकते है सफल उद्यमी : सतीश कुमार

बेरोजगार युवा हकृवि से जुड़कर बन सकते हैं सफल उद्यमी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज
हिसार, 14 दिसम्बर : [illegible]

[illegible]